SUBJECT: GEOGRAPHY

CLASS: B.A. Part Ist (Hons.), PAPER: Ist, UNIT:- Vth.

TOPIC: RELIEF OF THE ATLANTIC OCEAN

BY:- Dr. Sanjay Kumar, Assistant Professor, Dept. of Geography
D. B. College, Jaynagar, L.N.M.U. Darbhanga.
(Email - sanjaykumar.phd@gmail.com)

LECTURE No.- 18

अन्ध अथवा अटलांटिक महासागर (Atlantic Ocean)

→ विस्तार तथा आकार :- अंध्र महासागर का कुल क्षेत्रफल 82400000 वर्ग K.m. है। इस प्रकार इसका क्षेत्रफल प्रशांत महासागर के क्षेत्रफल से आधा है और यह विश्व के 1/6 भाग पर फैला हुआ है। यह उत्तर में ग्रीनलैंड से लेकर दक्षिण में अंटार्कटिक महासागर तक फैला हुआ है। इसकी आकृति अंग्रेजी के अक्षर 'S' जैसी है। इसके पूर्व में यूरोप एवं अफ्रीका तथा पश्चिम में उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका है। यह महासागर भूमध्य रेखा के पास संकरा है। अफ्रीका का लाबेरिया तट ब्राजील के साओराक अंतरीप से केवल 2600 K.m दूर है। उत्तर की ओर इसकी चौड़ाई बढ़ जाती है और 40° उत्तरी अक्षांश पर यह महासागर 4800 K.m. चौड़ा हो जाता है। सुदूर उत्तर में यह पुनः संकरा हो जाता है जहाँ पर नार्वेजियन सागर, डेनमार्क जलडमरूमध्य द्वारा इसका सम्बंध आर्कटिक सागर से हो जाता है। अन्ध्र महासागर दक्षिण में सर्वाधिक चौड़ा है। 35° दक्षिणी अक्षांश पर इसकी पूर्व-पश्चिम दिशा में चौड़ाई 5920 K.m. है। दक्षिणी भाग में यह महासागर दक्षिण महासागर में खुलता है परंतु उत्तर में ग्रीनलैंड तथा आइसलैंड की उपस्थिति के कारण यह प्रायः बंद सा हो जाता है।

→ नितल :- अंध्र महासागर में बहुत से सीमांत व बंद सागर तथा विस्तृत महाद्वीपीय मग्नतट हैं जिस कारण इसका 24% भाग एक हजार मीटर से भी कम गहरा है। इस महासागर के नितल पर चार प्रमुख रूप देखने को मिलते हैं।

1) महाद्वीपीय मग्नतट :- अंध्र महासागर में अन्य किसी महासागर की अपेक्षा अधिक महाद्वीपीय मग्नतट उपस्थित है। यह अंध्र महासागर के 13.3% भाग पर विस्तृत है। यह लगभग सभी तटों के पास फैला हुआ है। परंतु इसकी चौड़ाई

Scanned with CamScanner

सभी स्थानों पर एक समान नहीं है। जहाँ तट के समीप पर्वतीय प्रदेश हैं वहाँ पर महाद्वीपीय मग्नतट कम चौड़ा है; जैसे बिस्के की खाड़ी से आशा अंतरीप तक तथा ब्राजील में 5° से 10° दक्षिणी अक्षांशों के बीच। यहाँ मग्नतट की चौड़ाई 80 से 160 k.m. है। इसके विपरीत, उत्तरी अमेरिका के उत्तर-पूर्वी तट तथा उत्तर-पश्चिमी युरोप के तट के समीप मग्नतट 240 k.m. से 400 k.m. चौड़ा है। न्यूफाउंडलैंड तथा ब्रिटिश द्वीप समूह के निकट विश्व का सबसे महत्वपूर्ण मग्नतट ग्रांड बैंक तथा डॉगर बैंक के रूप में हैं।

2) मध्य महासागरीय कटक (The Mid-Atlantic Ridge)—

अंध महासागर के नितल के उच्चावच से सम्बन्धित सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यहाँ का 'मध्य महासागरीय कटक' है। अंध महासागर की भाँति यह कटक भी 'S' आकार का है। यह उत्तर में आइसलैंड से दक्षिण में बोवेट द्वीप तक लगभग 14500 k.m. लम्बा है। यह अंध महासागर को दो विस्तृत द्रोणियों में बाँटता है। यह आइसलैंड से शुरू होकर दक्षिण की ओर बढ़ता है और रेकजानास कटक के नाम से पुकारा जाता है। आइसलैंड तथा स्कॉटलैंड के बीच यह वाइविले थॉम्सन कटक के नाम से जाना जाता है और अंध महासागर तथा आर्कटिक महासागर के बीच सीमा का काम करता है। लगभग 40° उत्तरी अक्षांश के निकट न्यूफाउंडलैंड की ओर 3000 से 5000 मीटर की गहराई पर एक अन्य कटक इसमें से निकलता है जिसे न्यूफाउंडलैंड उभार कहते हैं। 40° उत्तरी अक्षांश के दक्षिण में यह कटक अपेक्षाकृत चौड़ा हो जाता है और यहाँ पर मध्य कटक से एजोर्स कटक अलग होता है। 10° दक्षिणी अक्षांश के निकट गायना उभार इससे अलग होता है। 40° दक्षिणी अक्षांश के निकट वोल्विस श्रेणी इससे अलग होकर अफ्रीका की ओर बढ़ती है और 45° दक्षिणी अक्षांश के निकट मीटियॉर बैंक तथा स्वेल अंतरीप का निर्माण करता है। आशा अंतरीप (Cape of Good Hope) के दक्षिण में यह अटलांटिक कटक (Atlantic-Antaretic Ridge) के नाम से विख्यात है।

नोट:-(Lecture no. 19 देखें...)

Note:— (Relief of the Atlantic Ocean) Cont.... in lecture no 19 (Page:02)

Scanned with CamScanner